जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

24 फरवरी 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में भारतीय भाषाओं पर अनुसंधान और अकादमिक लेखन वर्कशॉप का आयोजन

शैक्षिक अध्ययन विभाग, शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 22 से 24 फरवरी 2023 तक भारतीय भाषा समिति, भारत सरकार द्वारा संपोषित भारतीय भाषाओं में अनुसंधान और अकादमिक लेखन पर तीन दिवसीय गैर-आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान समस्त भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के 75 से अधिक युवा शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने भागीदारी की।

उद्घाटन सत्र संकाय के डीन और सत्र की अध्यक्ष प्रोफेसर सारा बेगम की अध्यक्षीय टिप्पणी के साथ शुरू हुआ। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय भाषाओं को खुद को फिर से स्थापित करने के लिए शोध की अत्यधिक आवश्यकता है।

जामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग के प्रमुख डॉ. अरशद इकराम अहमद ने कहा कि शैक्षिक अध्ययन विभाग ने शिक्षा के औपनिवेशिक चरित्र को शिक्षा के राष्ट्रीय चरित्र में बदलने की पहल की है, इस तरह की पहल से उन्हें उम्मीद है कि विश्वविद्यालय भारतीय भाषाओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने में नई ऊंचाई हासिल करेगा।

केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. नीरा नारंग, जो उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि थीं, उन्होंने कहा कि न केवल शोध; बल्कि दुनिया भर की शिक्षा की पूरी प्रणाली भारतीय शिक्षा प्रणाली से सीख सकती है। इग्नू के प्रो अरबिंद कुमार झा ने की-नोट स्पीकर के रूप में अनुसंधान प्रतिमान पर विचार-विमर्श किया।

भारतीय भाषा समिति के अकादमिक समन्वयक डॉ चंदन श्रीवास्तव उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने शिक्षा प्रणाली का भारतीयकरण करने के लिए भारत सरकार की भारतीय भाषा समिति द्वारा की गई कई पहलों से श्रोताओं को अवगत कराया। उन्होंने भारतीय भाषा समिति, भारत सरकार द्वारा इस प्रयास और एनईपी 2020 के विजन को साकार करने के लिए विश्वविद्यालयों को प्रदान की जा रही सहायता पर भी प्रकाश डाला जैसे- लर्निंग उपकरण और शब्दावली का प्रसार, भारतीय भाषा में पुस्तकें/अध्ययन सामग्री तैयार करना आदि।

कार्यशाला में समस्त भारत के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया। इनमें प्रोफेसर सरोज यादव, पूर्व डीन एकेडमिक्स, एनसीईआरटी, डॉ. गुलफाम, एनसीईआरटी, डॉ. मोना सेदवाल, एनआईईपीए, डॉ. अजय कुमार सिंह, इग्नू, प्रो. लोकनाथ मिश्रा, मिजोरम यूनिवर्सिटी, डॉ. विमल राह- दिल्ली यूनिवर्सिटी, प्रो. उषा शर्मा, एनसीईआरटी, प्रो. कुमार सुरेश, एनआईईपीए, प्रो. एस.के. यादव, पूर्व एचओडी, एनसीईआरटी, निरंजन साहे, इलाहाबाद शामिल थे।

डॉ. सज्जाद अहमद, सहायक प्रोफेसर, शैक्षिक अध्ययन विभाग, जो कार्यशाला के समन्वयक थे, ने युवा शिक्षार्थियों के लिए कार्यशाला आयोजित करने की पहल की। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्य को प्रस्तुत किया और इस बात पर जोर दिया कि कार्यशाला की संरचना को भारतीय भाषाओं में अनुसंधान और

अकादमिक लेखन से संबंधित विभिन्न पहलुओं जैसे अनुसंधान प्रतिमान, अनुसंधान में मिश्रित तरीके, गुणात्मक अनुसंधान के मूल सिद्धांत, सांख्यिकीय अनुमान, को शामिल करते हुए नियोजित किया गया था। विस्तृत अनुसंधान परियोजना के विकास पर कार्यशाला, विषयगत शोध रिपोर्ट कैसे लिखें, एमओओसी पाठ्यक्रम को डिजाइन और विकसित करने पर व्यावहारिक कार्यशाला, शैक्षणिक पेपर लिखने पर व्यावहारिक कार्यशाला, अपने शोध को प्रकाशित करने योग्य कैसे बनाया जाए और विषय को समझकर अकादमिक लेखन की बारीकियां शामिल की गईं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 33 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने कार्यशाला के लिए खुद को नामांकित किया लेकिन सीमित सीटों के कारण सभी को समायोजित नहीं किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एमजीएएचवी, वर्धा के प्रोफेसर गोपाल कृष्ण ठाकुर उपस्थित थे।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सज्जाद अहमद ने विभाग में संकाय के आजीवन योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार के साथ शुरू किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में प्रो. सारा बेगम- शिक्षा संकाय की डीन, प्रो. एजाज मसीह, प्रो. अनीता रस्तोगी, प्रो. हरजीत कौर भाटिया, प्रो. नाहिद जहूर, डॉ. अरशद इकराम अहमद, एचओडी ऑफ एजुकेशनल स्टडीज शामिल हैं। मुख्य अतिथि ने पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने इम्तियाज अहमद, इशिता चुघ और फरिहा सिद्दीकी को कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके योगदान के लिए स्मृति चिन्ह भी भेंट किए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया